(ग) वर्ष 1984-85 के दौरान टनकपुर परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए अपेक्षित निधियां, निवेश संबंधी निर्णय हो जाने के बाद, उपलब्ध करायी जाएंगी। धौलीगंगा परियोजना के अन्वेषण कार्य के लिए राष्ट्रीय जल विद्युत निगम ने संशोधित अनुमान प्रस्तुत किए हैं। संशोधित अनुमानों के स्वीकृत होने के उपरांत वर्ष 1984-85 में इनके लिए आवश्यक निधियां उपलब्ध करायी जाएंगी।

20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत उपलब्ध सुविधाओं का प्रचार

4606. **श्री मूल चंद डागा** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्षेत्रीय इकाइयों, जिला स्तर व राज्यों की राजधानियों के स्तर पर बीस सूत्री कार्यक्रम का प्रचार किस रूप में किया गया और प्रत्येक किस्म के प्रचार पर केन्द्रीय सरकार द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान कितनी धनराशि खर्च की गई ;

(ख) क्या सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कभी कोई सर्वेक्षण किया है कि 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत कमजोर वर्गों के लोगों को जो सुविधायें उपलब्ध कराई जानी हैं, उनसे उन्हें अवगत करा दिया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यह सर्वेक्षण किस तरह किया गया था और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में तथा संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) 14 जनवरी, 1982 को घोषित 20 सूत्रीय कार्यक्रम के बारे में सूचना का देश भर में प्रसार इस मंत्रालय के विभिन्न माध्यम एककों अर्थात पत्र सूचना कार्यालय आकाशवाणी, दूरदर्शन, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय गीत और नाटक प्रभाग, क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय आदि द्वारा विभिन्न उपयुक्त रूपों में किया जा रहा है। इन माध्यम एककों द्वारा इस कार्यक्रम का प्रचार विभिन्न अन्य अभियानों/गतिविधियों के साथ-साथ किया जाता है अतः इस कार्यक्रम पर अलग से कितना व्यय किया गया इसके आंकड़े देना संभव नहीं है। तथापि, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा 20 सूत्री कार्यक्रम के प्रचार पर किए गए व्यय संबंधी उपलब्ध सूचना विवरण-एक में दी गयी है।

(ख) और (ग) यह आंकने के लिए कि 20 सूत्री कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रमों का श्रोताओं पर क्या प्रभाव रहा और इन्हें कितना सुना जाता है, आकाशवाणी का श्रोता अनुसंधान एकक क्षेत्र सर्वेक्षण करता है। इस प्रकार प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रमों में सुधार किया जाता है। इसके अलावा, सभी माध्यम एककों को अपने कार्यक्रमों के बारे में प्रतिक्रियायें विभिन्न रूपों अर्थात समाचारपत्रों, पत्रों या श्रोताओं, दर्शकों की प्रतिक्रियाओं के माध्यम से प्राप्त होती हैं। इस प्रकार प्राप्त जानकारी इन यूनिटों के लिए यह जानने में सहायक होती है कि कार्यक्रम कितने प्रभावी रहे और उनके रूप/प्रस्तुतीकरण में क्या परिवर्तन वांछनीय है। आकाशवाणी द्वारा जुलाई, 1983 में किए गए क्षेत्र सर्वेक्षण का ब्यौरा विवरण-दो में दिया गया है।

विवरण-एक

20 सूत्रीय कार्यक्रम का प्रचार करने पर विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा किया गया व्यय ।

	1982-83	1983-84
(1) विज्ञापन	32,19,000 रु०	41,67,600 रु० (30-11-83 तक)
(2) प्रदर्शनियां	15,55,000 रु०	13,28,900 रु० (19-11-1983)
(3) मुद्रित प्रचार	4,91,529 रु०	2,80,000 रु० (15-12-1983 तक)
(4) बाह्य प्रचार	37,325 रु०	82,995
(5) रेडियो और दूरदर्शन पर विज्ञापन	...	7,30,000 (21-1-84)

विवरण-दो

नये 20 सूत्री कार्यक्रम के प्रसारण कितने लोगों तक पहुंचे और उनका कितना प्रभाव हुआ, इसके बारे में क्षेत्र सर्वेक्षण

प्रधान मंत्री के नये 20 सूत्री कार्यक्रम के प्रचार और प्रसार के लिए आकाशवाणी अपने पूरे संजाल पर कई कार्यक्रम प्रसारित करता है । समाज के कम सुविधा प्राप्त तथा असुरक्षित वर्गों तक ये कार्यक्रम कहां तक पहुंचे हैं, इसके लिए 11 और 14 जुलाई 1983 को अहमदाबाद, भोपाल, मैसूर और पटना तथा इनके आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वेक्षण किया गया था । इस सर्वेक्षण में ग्रामीण क्षेत्रों के कस्बे/शहरों के गंदी बस्तियों में रहने वाले भूमिहीन मजदूरों, गरीब कारीगरों, सीमित भूमि वाले किसानों, अनुसूचित जातियों आदि लोगों को लिया गया था ।

शहरों/कस्बों में उत्तर देने वाले दो सौ व्यक्तियों को चुना गया था । इनमें से 200 परिवार ऐसे थे जिनके पास रेडियो थे और इतने ही बिना रेडियो वाले परिवार थे । आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में 15 गांव चुने गए तथा प्रत्येक गांव में से उत्तर देने वाले 20 लोग थे । इस प्रकार, इन चार केन्द्रों के ग्रामीण नमूने में 300 व्यक्ति थे । ग्रामीण क्षेत्रों के रेडियो तथा रेडियो विहीन बराबर संख्या के परिवार लिए गए । वहां के स्थानीय नेताओं और विस्तार कार्यकर्ताओं के सहयोग से इन नमूना कस्बों/गांवों में इनके हिताहीकारियों को भी इस में शामिल किया गया ।

निष्कर्ष

अहमदाबाद

1. अहमदाबाद और उसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक दस में से नौ उत्तर देने वालों को 20 सूत्री कार्यक्रम की जानकारी थी। ग्रामीण परिवारों में 92 प्रतिशत तथा रेडियो विहीन परिवारों में 86 प्रतिशत परिवार इससे परिचित थे।

2. 20 सूत्रीय कार्यक्रम को लोगों तक पहुंचाने प्रमुख साधन रहा। शहर में 91 प्रतिशत रेडियो वाले परिवारों तथा 59 प्रतिशत रेडियो विहीन परिवारों को इसकी जानकारी रेडियो के जरिये हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में रेडियो वाले परिवारों में जो उत्तर देने वाले चुने गए थे उनमें से अधिकतम संख्या (81 प्रतिशत) ने बताया कि उन्हें इसकी जानकारी रेडियो के द्वारा हुई। जिन के पास रेडियो नहीं थे उनमें से 29 प्रतिशत लोगों ने बताया कि उन्हें रेडियो के जरिए मालूम हुआ और 55 प्रतिशत को इसके बारे में उनके मित्रों और पड़ौसियों ने बताया

3. गरीब शहरी/ग्रामीण लोगों से सीधे संबंधित कार्यक्रमों के प्रति उनकी जागरूकता अधिक थी। जहां तक उत्तर देने वाले शहरी लोगों का संबंध है वे परिवार कल्याण, गंदी बस्तियों का सुधार, भवन निर्माण योजना, प्रारम्भिक शिक्षा और कालाबाजारी को खत्म करने के उपायों से परिचित थे। मकानों के लिए जगह (63 प्रतिशत), पीने के पानी की सुविधाएं (43 प्रतिशत) परिवार कल्याण (37 प्रतिशत), उचित दर दुकानें (33 प्रतिशत) और ग्रामीण विद्युतीकरण (27 प्रतिशत) जैसी योजनाओं के बारे में लोग ज्यादा जानते थे। ग्रामीण लोगों को रोजगार कार्यक्रम, समाज के लिए बनों की उपयोगिता, आदि के बारे में बहुत कम जानकारी थी।

4. 20 सूत्री कार्यक्रम से संबंधित किए गए प्रसारणों में से बाल सुरक्षा सम्बन्धी प्रश्न उत्तर, लोक वृत्त और कविता पाठ को श्रोताओं ने अत्यंत सराही। ग्रामीण क्षेत्रों के ऐसे उत्तर देने वाले जिनके पास रेडियो सैट थे उन्होंने ग्रामीण और आदिवासी कार्यक्रमों को ज्यादा सुना।

मैसूर

1. मैसूर शहर (80 प्रतिशत) और उसके आसपास के क्षेत्रों (70 प्रतिशत) में 20 सूत्री कार्यक्रम के प्रति जागरूकता ऊंची थी।

2. विभेदक ब्याज दर, घर के लिए जगह, आवास योजनाएं, पीने के पानी की सुविधाएं और परिवार कल्याण जैसी योजनाएं जो उनसे सीधी सम्बन्धित थी के बारे में उत्तर देने वालों को कोई खास जानकारी नहीं थी।

3. 20 सूत्री कार्यक्रम के बारे में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को इसकी जानकारी देने में रेडियो प्रमुख साधन रहा। शहरों में इसकी जानकारी पहुंचाने में समाचारपत्रों का स्थान दूसरा रहा जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश उत्तर देने वाले ने बताया कि उन्हें इसकी जानकारी मित्रों और आस-पड़ौस से मिली।

4. 20 सूत्री कार्यक्रम की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में लगी एजेन्सियों के

बारे में उत्तर देने वालों को बहुत कम जानकारी थी । फिर भी इनका लाभ मिलने वाले लोगों को जिला और तहसील स्तर तक की एजेंसियों के बारे जानकारी थी ।

5. आकाशवाणी मैसूर द्वारा विशेष कर परीक्षण किए/स्थापित रूपों में प्रत्येक सप्ताह प्रसारित किए जाने वाले 20 सूत्रीय कार्यक्रमों सम्बन्धी प्रसारणों/चैकों के सबसे ज्यादा श्रोता थे ।

पटना

1. उत्तर देने वाले 86 प्रतिशत ग्रामीणों तथा 80 प्रतिशत उत्तर देने वाले शहरी लोगों को इसकी सबसे ज्यादा जानकारी थी ।

2. 20 सूत्री कार्यक्रम तथा विभिन्न योजनाओं सम्बन्धी सूचना के प्रसार में रेडियो प्रमुख साधन रहा । क्रमशः 70 से 80 प्रतिशत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को इसका ज्ञान रेडियो द्वारा हुआ । पटना शहर में उत्तर देने वालों में से 28 प्रतिशत को इस बारे में जानकारी देने में समाचार पत्रों का योगदान रहा । शहरों और गांवों में आपसी बातचीत द्वारा इससे सम्बन्धित जानकारी पहुंचाने में इसका महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

3. अधिकांश उत्तर देने वालों का विचार था कि 20 सूत्री कार्यक्रम के प्रचार करने और लोगों को उन एजेंसियों, लाभ उठाने के लिए जिनसे सम्पर्क किया जा सकता है, के काम बताने में रेडियो महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है । कुछ ने बताया कि आकाशवाणी पटना से "चौपत्कि" कार्यक्रम की आवृत्ति बढ़ाई जाए ।

4. सर्वेक्षण से पूर्व के सप्ताह के दौरान 20 सूत्री कार्यक्रम पर प्रसारित विभिन्न मदों में से 8 जुलाई, 1983 को सायं 8 बजे प्रसारित नाटक 'घर परिवार" के उच्चतम (22 प्रतिशत) श्रोता थे ।

भोपाल

1. भोपाल और इसके आसपास के गांवों में रेडियो वाले परिवारों में इसकी जानकारी 81 से 85 प्रतिशत के बीच थी । रेडियो विहीन परिवारों में उत्तर देने वालों में से 61 प्रतिशत ग्रामीणों और 52 प्रतिशत शहरी लोगों को इसकी जानकारी थी ।

2. जहां तक रेडियो वाले परिवारों का सम्बन्ध है ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इसकी सूचना पहुंचाने में रेडियो प्रमुख साधन रहा । ग्रामीण क्षेत्रों में जिनके पास रेडियो नहीं थे उनको इसकी जानकारी समाचारपत्रों की मार्फत मिली ।

3. कुछ ही उत्तर देने वाले 20 सूत्री कार्यक्रम सम्बन्धी योजनाओं को बता सके ।

4. भोपाल शहर में 20 सूत्री कार्यक्रम पर होने वाले विभिन्न प्रसारणों को सुनने वालों में रेडियो वाले परिवार 10 से 20 प्रतिशत थे तथा रेडियो विहीन परिवार 12 से 31 प्रतिशत थे । आसपास के गांवों में जिनके पास रेडियो थे वे 12 से 31 प्रतिशत थे तथा जिनके पास रेडियो नहीं थे वे 8 से 17 प्रतिशत थे ।

5. अधिकांश उत्तर देने वालों का विचार था कि 20 सूत्री कार्यक्रम और इसके क्रियान्वयन से संबंधित एजेंसियों के बारे में जानकारी लोगों तक पहुंचाने में रेडियो सबसे प्रभावी सिद्ध हो सकता है ।

सारांश : ऐसा प्रतीत होता है कि समाज के कम सुविधाओं वाले वर्गों के कल्याण के लिए 20 सूत्री ग्रार्थिक कार्यक्रम तथा इसकी विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों के बारे में काफी लोगों की जानकारी है। फिर भी, पीने के पानी की आपूर्ति, उचित दर दुकानों का खोलना, मकानों के लिए जगह, भवन, योजनाओं ग्रौर परिवार कल्याण कार्यक्रम जैसी योजनाएं जिनका लोगों से सीधा वास्ता पड़ता है बारे में लोगों की जानकारी अधिक थी।

उल्लेखनीय है कि अधिकाधिक उत्तर देने वालों ने प्रमुख साधन रेडियो को ही बताया। इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि जिनके पास रेडियो नहीं थे उन्होंने भी सूचना का महत्वपूर्ण साधन रेडियो ही बताया।

ग्रामतौर पर 20 सूत्रीय कार्यक्रम के विभिन्न कार्यक्रमों/योजनाग्रों के क्रियान्वयन के लिए एजेंसियों के बारे में लोगों का ज्ञान ग्रपर्याप्त था। मैसूर में, इनकी जानकारी केवल उन्हीं लोगों तक सीमित थी जिन्हें इनका लाभ मिला है। इससे यह जाहिर है कि जिन एजेंसियों को इसके लिए सम्पर्क किया जाना है उनके क्रियान्वयन/निधिकरण के बारे में ज्यादा प्रचार किया जाना चाहिए।

20 सूत्री कार्यक्रम से सम्बन्धित प्रसारणों में नियमित कार्यक्रम, पारिवारिक ग्रामीण कार्यक्रम, लोकवार्ता (गुजरात में कार्यक्रम का एक रूप) जैसे समय परीक्षित ग्रौर स्थापित कार्यक्रमों के श्रोता सबसे अधिक थे।

Issue of Commemorative Special Stamps

4607. SHRI MOOL CHAND DAGA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) the number of commemorative special stamps issued during the last four years, yearwise ;

(b) the number of International Philatelic Exhibitions attended by P&T Department during the last four years, giving details of countries year-wise ;

(c) the number of Philatelic Exhibitions arranged in the country during the last four years, giving details of stations year-wise ;

(d) the total expenditure incurred towards (b) and (c) above giving details item-wise in each case ; and

(e) advantages attained in view of the expenditure incurred in each case ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI VIJAY N. PATIL) : (a) 22, 39, 37 and 38 commemorative/special stamps were issued during the years 1979, 1980, 1981 and 1982 respectively.

(b) The Department participated in six philatelic exhibitions (Bulgaria, West Germany, Brazil, Italy-twice and Thailand) during 1979, five exhibitions (U.K., Norway, Italy, Rome, and West Germany) during 1980, two exhibitions (Austria, and Japan) during 1981 and one exhibition (Canada) during 1982.

(c) to (e) fnformation is being collected and will be laid on the table of the house as soon as received.

Commissioning of Refineries

4608. SHRI MOOL CHAND DAGA: Will the Minister of ENERGY be pleased to state :